मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 45 ■ अंक : 213 ■ मंगलवार 18 नवंबर 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

‘नेपोटिज्म से डेब्यू मिलता है सफलता नहीं’

शिवसेना-भाजपा ने किया शक्ति प्रदर्शन

अंबरनाथ में 450 से ज्यादा नामांकन दाखिल

- देर रात तक सही आंकड़े मिलने की संभावना
- सांसद, विधायक आदि मौजूद
- नामांकन दाखिल करने के लिए भारी भीड़

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद चुनाव के लिए 450 से ज्यादा इच्छुक उम्मीदवारों ने विविध पक्ष एवं निर्दलीय नामांकन दाखिल किया है. नगराध्यक्ष के लिए 6 से ज्यादा महिला उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है. ये आंकड़े ज्यादा भी हो सकते हैं. अधिकृत रूप से दर रात तक सही आंकड़े मिलने की संभावना है. 17 नवंबर सोमवार को नामांकन दाखिल करने के आखिरी दिन सुबह से ही इच्छुकों ने कतार लगा दिया था. बाद में भीड़ इतनी बढ़ गई कि प्रशासन एवं पुलिस को भीड़ संभालना मुश्किल हो गया था. सैकड़ों लोग नपा कार्यालय के अंदर एवं हजारों लोग कार्यालय के बाहर एकत्रित हो गए थे. तीन बजे आखरी समय तक लोग नामांकन दाखिल करने आ रहे थे. तीन बजे तक जो लोग आ गए थे, उन्हें कार्यालय के अंदर बिठाया गया. ये सभी नामांकन स्वीकारने के लिए प्रशासन को रात के 12 बज सकते हैं. 500 से ज्यादा लोगों ने आनलाइन नामांकन दाखिल किया है.

अंबरनाथ नपा ने चुनाव में इच्छुकों से 4 करोड़ 10 लाख वसूला

अंबरनाथ नगर परिषद चुनाव में नामांकन दाखिल करने के लिए नपा गृहकर विभाग से 732 लोगों ने बकाया गृहकर 4 करोड़ 10 लाख रुपए भरकर एनओसी लिया है. विदित हो कि नामांकन में ये शर्त है कि गृहकर पूरा भरा होना चाहिए, नहीं तो नामांकन रद्द होगा. इसलिए गृहकर विभाग का एनओसी जरूरी है. ऐसी जानकारी हमें अधिकारी नरेंद्र संखे ने दी है.

नगराध्यक्ष के लिए शिवसेना ने जबरदस्त शक्ति प्रदर्शन करते हुए मनिषा अरविंद वालेकर का नामांकन दाखिल किया. उनके साथ सांसद श्रीकांत शिंदे, विधायक डॉ. बालाजी किणीकर, गोपाल लांडेग, शहर प्रमुख अरविंद वालेकर आदि उपस्थित थे. उस समय शिवसेना के तीन से चार हजार कार्यकर्ता उपस्थित थे.

भाजपा ने भी शक्ति प्रदर्शन करते हुए तेजश्री करंजुले पाटिल का नगराध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया है. गुलाब प्रहार करंजुले, अभिजीत आदि उपस्थित थे. जनशक्ति पक्ष की ओर से फहमिदा खान ने नगराध्यक्ष उम्मीदवारी दाखिल की है. उनके साथ अध्यक्ष आलम खान थे. शिवसेना, उबाठा की अंजली राऊत ने नगराध्यक्ष के लिए नामांकन दाखिल किया है. कांग्रेस से नूतन प्रदीप पाटिल ने नामांकन चुनाव निर्णय अधिकारी को दिया है. उस समय कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप पाटिल और कई कांग्रेसी नेता उपस्थित थे. शिवसेना के कुछ पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं को टिकट नहीं मिलने से उन्होंने भाजपा से एवं भाजपा के कुछ लोगों ने शिवसेना पक्ष से नामांकन दाखिल किया है.

प्रशासन द्वारा सही प्रबंध नहीं होने से नामांकन दाखिल करते समय कुछ आपस में लड़ पड़े. भीड़ को प्रशासन काबू में नहीं कर सका. नामांकन फार्म जांचने एवं लेने के लिए अधिकारियों के पसीने छूट गए थे. आज 18 नवंबर को नामांकन फार्म की छाननी होगी.

नगराध्यक्ष के लिए 6 से ज्यादा उम्मीदवार

शिवसेना उबाठा में नगराध्यक्ष उम्मीदवार को लेकर नाराजगी

5 ने नामांकन ही नहीं भरा -अजित काले

शिवसेना उबाठा के अध्यक्ष अजित काले ने पक्ष से नगराध्यक्ष के लिए पूर्व नगरसेविका रेशमा काले का नाम पेश किया था. लेकिन पक्ष के वरिष्ठ नेताओं ने नगराध्यक्ष के लिए अंजलि राउत का नाम घोषित करने पर पक्ष में नाराजगी फैल गई है. इसलिए नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन पांच लोगों ने शिवसेना उबाठा से उम्मीदवारी दाखिल नहीं की है. ऐसी जानकारी हमें शिवसेना उबाठा शहराध्यक्ष अजित काले ने दी है. इस संबंध में आगे क्या करना है, बहुत जल्द एक बैठक लेकर घोषणा की जाएगी, ऐसा कहा गया है.

मनसे ने शिवसेना उबाठा की निशानी मशाल से नामांकन दाखिल किया

महाविकास आघाड़ी के घट पक्ष मनसे के इच्छुकों ने शिवसेना के उबाठा की निशानी मशाल से नामांकन दाखिल किया है. मालूम हो कि नपा चुनाव में मनसे, शिवसेना उबाठा, राकांपा (श.प.) ने गठबंधन किया है. शिवसेना उबाठा एवं मनसे ने मशाल निशानी से नामांकन दाखिल किया है तो राकांपा (श.प.) के इच्छुकों ने तुतारी निशानी से नामांकन भरा है.

आज नामांकन फार्म की छाननी

आज 18 नवंबर को नामांकन फार्म की छाननी होगी. कितने इच्छुकों के नामांकन वैध होते हैं और कितने नामंजूर होते हैं, ये पता चल जाएगा. इस पर सबकी नजर होगी और 19 नवंबर से 21 नवंबर तक नाम निर्देशन वापस लेने के बाद ही पता चलेगा कि कितने उम्मीदवार मैदान में रह गए हैं. विदित हो कि 2 दिसंबर को मतदान है और 3 दिसंबर मतगणना के बाद नतीजों की घोषणा होगी.

अंतिम पुरवणी यादी प्रसिद्ध

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद चुनाव 2025 की अंतिम प्रभाग निहाय पुरवणी मतदार सूची कार्यालय के सूचना बोर्ड पर लगा दी गई है. ये सूची नगर परिषद के संकेत स्थल पर भी उपलब्ध है. 17 नवंबर को ये प्रसिद्ध कर दी गई है. ऐसी जानकारी हमें प्राधिकृत अधिकारी तथा उपविभागीय अधिकारी विजयानंद शर्मा ने दी है.

उल्हासनगर मनपा चुनाव आरक्षण की घोषणा

24 नवंबर तक स्वीकारी जाएंगी आरक्षण पर आपत्ति

उल्हासनगर. उल्हासनगर का राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है और 2025 के मनपा चुनाव के लिए ‘वार्डवार आरक्षण प्रारूप’ की घोषणा हो गई है। इसलिए, इच्छुक उम्मीदवारों, पार्टी नेताओं और नागरिकों का ध्यान अब आरक्षण पर दर्ज आपत्तियों पर केंद्रित है। उल्हासनगर मनपा द्वारा जारी सूचना के अनुसार, आपत्तियाँ 17 से 24 नवंबर तक स्वीकार की जाएँगी।

उल्हासनगर मनपा आम चुनाव 2025 का महत्वपूर्ण चरण शुरू हो गया है और वार्डवार आरक्षण प्रारूप का आधिकारिक प्रकाशन हो गया है। अनुसूचित जाति (महिला), अनुसूचित जनजाति (महिला), पिछड़ा वर्ग (महिला) और सामान्य (महिला) श्रेणियों के अंतर्गत आने वाले वार्डों की घोषणा होते ही राजनीतिक गतिविधियाँ तेज़ हो गई हैं। उल्हासनगर मनपा मुख्यालय, सूचना पट्ट और संबंधित वार्ड समिति कार्यालयों में आरक्षण का मसौदा लगा दिया गया है और नागरिकों, इच्छुक उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों से अपेक्षित प्रतिक्रिया मिल रही है। 8 नवंबर को पहले जारी अधिसूचना के अनुसार, इस आरक्षण मसौदे पर आपत्तियां और सुझाव दर्ज करने की समय सीमा तय कर दी गई है।

स्पष्ट आदेश दिया गया है कि संबंधित पक्ष 17 से 24 नवंबर तक दोपहर 3 बजे तक मनपा मुख्यालय स्थित चुनाव कार्यालय या संबंधित वार्ड समिति कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से अपनी आपत्तियां या सुझाव प्रस्तुत करें। गौरतलब है कि मनपा प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ऑनलाइन, ई-मेल या नगर निगम की वेबसाइट से प्राप्त आपत्तियां स्वीकार नहीं की जाएंगी।

मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले द्वारा हस्ताक्षरित यह अधिसूचना दर्शाती है कि आधिकारिक चुनाव प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। शहर का राजनीतिक माहौल इस समय आरक्षण मसौदे में बदलाव, संभावनाओं और आपत्तियों पर केंद्रित है। अब यह स्पष्ट है कि उल्हासनगर में 2025 का चुनाव और भी रंगीन होगा।

बागेश्वर धाम के नाम पर 24 लाख रुपये की ठगी

उल्हासनगर. उल्हासनगर के कैंप क्रमांक 4 स्थित शिवनेरी अस्पताल के पास रहने वाली एक सेवानिवृत्त बुजुर्ग महिला के अकेलेपन का फायदा उठाकर सात महिलाओं और पुरुषों ने उन्हें यह विश्वास दिलाया कि बागेश्वर धाम में बाबा की पूजा के लिए होम हवन करने और दान देने से बाधाएं दूर होंगी। इस महिला से 10 लाख रुपये नकद, 8 तोला सोना, 10 ग्राम हीरे, कुल 24 लाख 60 हजार रुपये की ठगी करने के आरोप में विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इसमें दो महिलाएं भी शामिल हैं।

सत्तर वर्षीय बुजुर्ग महिला शकुंतला बुलचंद आहूजा अकेली रहती हैं। इस महिला के अकेलेपन का फायदा उठाकर तीनों आरोपियों करिश्मा, लवीना और कशिश ने अपने सहयोगी के साथ मिलकर महिला को घर खरीदने के लिए मजबूर किया। उन्होंने उससे 10 लाख रुपये नकद भी ले लिए। पैसे वापस पाने और सभी बाधाओं को दूर करने के लिए, महिला को विश्वास दिलाया गया कि बागेश्वर धाम में बाबा की पूजा के लिए होम हवन करने और दान देने से बाधाएं दूर हो जाएंगी। इसके लिए उसने समय-समय पर महिला से सोना लिया। आरोपी यहीं नहीं रुका और 11 नवंबर को, वह महिला के घर गया और उसे बागेश्वर धाम से प्रसाद लाने का झांसा दिया। उसने प्रसाद में बेहोशी की दवा भी डाल दी और उसके सोने और हीरे के गहने छीन लिए। इस बीच, जैसे ही महिला को यह सब पता चला, उसने विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन जाकर करिश्मा, साहिल, गोली, यश, लवीना, कशिश और गुरुजी नामक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

रुचिता घोरपड़े ने नगराध्यक्ष के लिए नामांकन दाखिल किया

- भाजपा-राकांपा गठबंधन का शक्ति प्रदर्शन

बदलापुर. कुलगांव बदलापुर नगर निगम चुनाव के लिए रविवार को भाजपा-राकांपा-आरपीआई गठबंधन ने महापौर पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल और विधायक किसन कथोरे ने भी इसमें भाग लिया। कपिल पाटिल ने कहा कि यह एक सच्चा गठबंधन है।

जुलूस की शुरुआत बदलापुर पश्चिम के रमेशवाड़ी क्षेत्र में महापुरुष डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा को नमन के साथ हुई। वहां से जुलूस बाजार और स्वातंत्र्यवीर सावरकर फ्लाईओवर होते हुए छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पहुँचा। यहाँ, छत्रपति शिवाजी महाराज की अश्वारोही प्रतिमा को नमन करने के बाद जुलूस आगे बढ़ा और गांधी चौक होते हुए नगर निगम मुख्यालय में प्रवेश किया।

इस अवसर पर रुचिता घोरपड़े ने भाजपा-राकांपा-आरपीआई गठबंधन की ओर से महापौर पद के लिए आधिकारिक उम्मीदवार के रूप में अपना आवेदन दाखिल किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गठबंधन के प्रमुख नेता मौजूद थे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री और परशुराम आर्थिक विकास निगम के अध्यक्ष कैप्टन आशीष दामले, साथ ही भाजपा ठाणे जिला अध्यक्ष जितेंद्र डाकी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर भाजपा और राकांपा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ मौजूद थी। विशेष रूप से महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय थी। विभिन्न नारों से इलाका गूंज उठा। बदलापुर चुनाव में शिवसेना और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला होगा। शिवसेना की ओर से वीणा वामन म्हात्रे को उम्मीदवार घोषित किया गया है। शिवसेना को चुनौती देने के लिए भाजपा ने मंत्री गणेश नाईक, पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल और विधायक किसन कथोरे पर जिम्मेदारी डाली है। इसलिए, यहाँ कड़ा संघर्ष देखने को मिलेगा।

259 पुलिस अधिकारियों ने अपराधियों के पर की कार्रवाई

उल्हासनगर में ‘ऑपरेशन ऑल आउट’

कानूनी कार्रवाई

मद्यबंदी के 5 मामले
जुआ का एक मामला
एनडीपीएस के 4 मामले
39 सीओपीए (तंबाकू)
3 वारंट मामले

उल्हासनगर. शहर में अपराध पर लगाम लगाने के लिए पुलिस प्रशासन ने एक बार फिर ‘ऑपरेशन ऑल आउट’ चलाया। पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे के मार्गदर्शन में 250 से ज़्यादा पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने रात के सन्नाटे को तोड़ते हुए गली-मोहल्लों से लेकर अपराध के प्रमुख स्थलों तक अभियान चलाया।

शराबबंदी, जुआ, एनडीपीएस, सीओपीए जैसे विभिन्न अपराधों के तहत कार्रवाई करते हुए, ज़ोन 4 पुलिस ने अपराधियों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि उल्हासनगर में कानून तोड़ने वालों के लिए कोई जगह नहीं है।

उल्हासनगर ज़ोन 4 पुलिस द्वारा 15 और 16 नवंबर की मध्यरात्रि को ‘ऑपरेशन ऑल आउट’ चलाया गया। रात 10 बजे से सुबह 1 बजे तक चले इस अभियान में, संभागीय सहायक पुलिस आयुक्त अमोल कोली और शैलेश काले ने तलाशी अभियान का नेतृत्व किया। अधिक संख्या में पुलिस बल तैनात करके पूरे शहर में ‘ज़ीरो टॉलरेंस’ मोड शुरू किया गया। इस अभियान में 39 पुलिस अधिकारियों और 220 कर्मचारियों ने भाग लिया। शराबबंदी, जुआ, हथियार संबंधी अपराधों के साथ-साथ लॉज-बार निरीक्षण और नाकाबंदी जैसे विभिन्न स्तरों पर कार्रवाई की गई।

45 हज़ार रुपये का जुर्माना

’ऑपरेशन ऑल आउट’ अभियान के दौरान, पुलिस ने 82 लॉज और बार का निरीक्षण किया, 192 वाहनों की जाँच की और यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 45 हज़ार रुपये का जुर्माना लगाया। साथ ही, 130 हिस्ट्रीशीटरों/गुंडों की भी जाँच की गई।

मूलभूत सुविधाओं पर उल्हासनगर में आंदोलन

पैनल 19 व 20 में मूलभूत सुविधाओं से जनता त्रस्त

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा पैनल 19 और 20 में अंबेडकर नगर और हिललाइन पुलिस स्टेशन के पीछे के इलाके के लोगों ने सड़क, पानी, टॉयलेट, सफाई और हेल्थकेयर जैसी बेसिक सुविधाओं की अनदेखी के खिलाफ आज से आमरण अनशन शुरू कर दिया है। लोगों का आरोप है कि कई सालों से अनुरोध, शिकायत और रिप्रेजेंटेशन करने के बाद भी कोई ठोस एक्शन नहीं लिया गया है। कांग्रेस की तरफ से उल्हासनगर 4 के नेताजी चौक पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष रोहित साल्वे की अध्यक्षता में, उपाध्यक्ष महादेव शेलार, सेक्रेटरी सज्जन शेकटे और सेक्रेटरी राजकुमारी नारा के नेतृत्व में उपोषण शुरू की गई। लोगों से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की गई है। इस दौरान उपोषण करने वालों ने अंबेडकर नगर में गुड्डू किराना स्टोर के पास टॉयलेट की मरम्मत, कम्युनिटी हॉल के पास सीवेज और टॉयलेट की सुविधा में सुधार, रेणुका माता मंदिर के पास पानी की सप्लाई पाइपलाइन की मरम्मत, अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई, सड़कों पर गड्ढों की तुरंत मरम्मत जैसी कई मांगें रखीं। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि दोषी प्रशासन के अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, नहीं तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। नागरिकों के अनुसार, ये समस्याएं सिर्फ़ लोकल नहीं हैं, बल्कि शहर के विकास से जुड़े गंभीर मुद्दे हैं और प्रशासन के लिए तुरंत दखल देना ज़रूरी है।

उल्हासनगर में जानलेवा चैंबर!

- सामाजिक कार्यकर्ता राधाकृष्ण साठे का विरोध प्रदर्शन

उल्हासनगर. उल्हासनगर कैंप 5 में स्वामी शांति प्रकाश आश्रम रोड पर एक खुला चैंबर कई महीनों से नागरिकों की जान से खिलवाड़ कर रहा है। सड़क के बीचों-बीच खतरनाक हालत में पड़ा यह ‘जानलेवा गड्ढा’ हर दिन नए जख्मों का कारण बन रहा है, और स्थानीय लोग नगर निगम प्रशासन पर इसे पूरी तरह से नज़रअंदाज़ करने का आरोप लगा रहे हैं।

444 धागेवाले की दुकान के सामने स्थित यह चैंबर इलाके में भारी यातायात के कारण बेहद खतरनाक हो गया है। जब दिन भर सैकड़ों टेम्पो, जीप, रिक्शा, ट्रक और दोपहिया वाहन चलते हैं, तो ऐसा लगता है कि सड़क के बीचों-बीच खुला चैंबर रखना नागरिकों की सुरक्षा के लिए एक गंभीर चूक है। जैसे ही दोपहिया वाहन सवार इस चैंबर के सामने आते हैं, वाहनों का संतुलन बिगड़ जाता है और वे गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं। बुजुर्ग नागरिकों और महिलाओं को इस रास्ते से गुजरते समय सचमुच

अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ती है। किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका है। सामाजिक कार्यकर्ता राधाकृष्ण साठे ने नगर निगम की इस लापरवाही के खिलाफ नया रुख अपनाया है। उन्होंने पहल की और सीधे खुले चैंबर में जाकर धरना दिया।

इससे प्रशासन को जगाने की कोशिश की गई। उनके इस साहसिक कदम से इलाके में चर्चा है और नागरिकों का गुस्सा और भड़क गया है। इसके बाद इलाके के लोगों का ध्यान इस बात पर केंद्रित हो गया है कि प्रशासन नागरिकों की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठा रहा है।

वालधुनी नदी को बचाने के लिए जल समाधि का प्रयास

अंबरनाथ. वालधुनी नदी के प्रदूषण और उसके पुनरुद्धार की मांग को लेकर विभिन्न सामाजिक संगठनों और संस्थाओं द्वारा आहूत ‘वालधुनी नदी बचाओ जल समाधि आंदोलन’ पुलिस के हस्तक्षेप से शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। प्रदर्शनकारियों ने नदी में ही जल समाधि लेने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने आचार संहिता का हवाला देते हुए उन्हें रोक दिया।

वालधुनी नदी और उसकी सहायक नदियों को बचाने के लिए वर्षों से संघर्ष कर रहे सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अपनी लड़ाई को और तेज़ करने के लिए 14 नवंबर को जल समाधि आंदोलन का आह्वान किया था। वे आंदोलन के निर्धारित स्थल, यानी वालधुनी नदी बांध, फासी पाड़ा, कमलधाम वृद्धाश्रम, अंबरनाथ पहुँच गए थे। प्रदर्शनकारी नदी के किनारे इकट्ठा हो गए और जल समाधि लेने की कोशिश करने लगे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम तुरंत पहुँच गई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से अनुरोध किया कि वे आचार संहिता लागू होने के कारण विरोध प्रदर्शन न करें। इसके बाद प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच बातचीत हुई। सामाजिक कार्यकर्ता निखिल गोले द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, पुलिस के अनुरोध के बाद प्रदर्शनकारियों ने अपना कठोर कदम वापस ले लिया।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

अपराध के दलदल में धंसते किशोर

पिछले कुछ वर्षों के दौरान जघन्य अपराधों में नाबालिगों की संलिप्तता बढ़ी है। दिल्ली के विजय विहार इलाके में लूटपाट का विरोध करने पर एक आटो चालक की हत्या के आरोप में पांच नाबालिगों की गिरफ्तारी से देश में पलती-बढ़ती एक चिंताजनक प्रवृत्ति और उसकी दिशा को समझा जा सकता है। अभी किसी भी स्तर पर इस बात की चिंता नहीं दिखती है कि बेरोजगार युवाओं या विद्यालय न जाने वाले किशोरों के भविष्य को संवारने लिए क्या किया जाए। उनके बीच से जो किशोर आपराधिक प्रवृत्ति की ओर कदम बढ़ा दे रहे हैं, उन्हें लेकर हमारी नीति क्या हो। यहां तक कि हम बच्चों को नैतिक और सामाजिक मूल्यों से लैस नहीं कर रहे।

दूसरी ओर, समाज में अनेक तरह की बनती विपरीत स्थितियां किशोरों को अपराध के गर्त में धकेल रही हैं। राजधानी में वह आटो चालक महज अपनी रोजी-रोटी कमाने निकला था। मगर कुछ शातिर लड़के योजनाबद्ध तरीके से उसे सुनसान जगह ले गए और उससे लूटपाट की कोशिश करने लगे। जब आटो चालक ने इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने उस पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। पकड़े जाने पर इन आरोपियों ने यह बात कबूली है कि वे नशे के आदी हैं और इसके लिए पैसे जुटाने के इरादे से उन्होंने वारदात को अंजाम दिया।

समझा जा सकता है कि अपराध के दलदल में धंसते कुछ किशोर किस तरह खतरनाक हो रहे हैं। दिल्ली में हुई यह ताजा घटना एक उदाहरण भर है। यह दुखद ही है कि पढ़ने-लिखने की उम्र में कई किशोर हथियार लेकर सड़कों पर चल रहे हैं और आए दिन लूटपाट से लेकर हत्या तक के जघन्य अपराध में लिप्त पाए जा रहे हैं।

गंभीर अपराधों में संलिप्त नाबालिगों को लेकर कानून अस्पष्ट और लचर होने का ही परिणाम है कि उनका दुस्साहस लगातार बढ़ता चला गया है। यह देखा गया है कि जघन्य अपराधों को अंजाम देने वाले कई नाबालिगों पर बाल सुधार गृह में भेजने का भी कोई असर नहीं होता। खासतौर पर सुनियोजित तरीके से हत्या और बलात्कार जैसे अपराधों के नाबालिग आरोपियों के प्रति क्या नीति अपनाई जानी चाहिए, अब इस मसले पर सरकार और समाज को एक बार विचार करना होगा।

डोनाल्ड ट्रंप की मनमानी से कमजोर हो रही आर्थिक नींव

अमेरिका प्रथम की मुहिम के साथ चलने वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का हर निर्णय चाहे वह अंतरराष्ट्रीय समझौता हो, व्यापार नीति हो या सुरक्षा निर्णय दूसरों पर थोपने की नीति पर केंद्रित रहता है। वैश्वीकरण की गति को धीमा करने वाले डोनाल्ड ट्रंप ने भारत सहित विश्व के अन्य देशों पर टैरिफ लगाकर व्यापार युद्ध की स्थिति पैदा कर दी। ट्रंप प्रशासन उन अनेक बहुपक्षीय संस्थाओं की या तो फंडिंग कम कर रहा है या उनसे बाहर निकलने की धमकियां देकर उनकी भूमिका को कमजोर करने का प्रयास कर रहा है, जो कथित तौर पर अमेरिका के हित में कार्य नहीं कर रही हैं।

उनकी इस नीति का असर केवल बाहरी दुनिया तक सीमित नहीं है, बल्कि अमेरिका के भीतर भी इसका व्यापक आर्थिक और सामाजिक प्रभाव पड़ रहा है। व्यापार युद्ध ने न केवल विदेशी व्यापार को झटका दिया है, बल्कि अमेरिका के घरेलू बाजार में मूल्य वृद्धि को भी बढ़ावा दिया है।

अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ के प्रतिरोध में अन्य देशों द्वारा लगाए जाने वाले जवाबी टैरिफ से अमेरिकी उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति प्रभावित हो रही है। अमेरिका में न सिर्फ रोजमर्रा की वस्तुएं, बल्कि इलेक्ट्रानिक उपकरण, खिलौने, कपड़े, मशीनें आदि के महंगे होने से अमेरिका में मार्च 2025 के बाद से आयातित सामान की कीमतें लगभग चार प्रतिशत बढ़ी हैं, जबकि घरेलू सामान की कीमतें लगभग दो प्रतिशत बढ़ गई हैं। बढ़ती महंगाई को देखते हुए ट्रंप ने 200 से अधिक वस्तुओं पर से टैरिफ कम

करने का फैसला किया है।

अमेरिका में उद्योगों के लिए कच्चा माल महंगा होने से बढ़ती उत्पादन लागत से नौकरियां ही नहीं घट रही हैं, बल्कि किसानों की आय पर भी गहरा असर पड़ रहा है। चीन, कनाडा और यूरोपीय देशों द्वारा प्रतिशोध में लगाए गए टैरिफ के कारण अमेरिकी सोया और मक्का जैसी कृषि वस्तुओं की मांग घटी है, जिससे किसानों की आय में गिरावट आने से सरकार को अरबों डालर की सब्सिडी देनी पड़ रही है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर इसके दुष्परिणाम अब स्पष्ट दिखने लगे हैं।

येल विश्वविद्यालय के बजट अध्ययन केंद्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, टैरिफ और विदेशी प्रतिकारात्मक करों के कारण 2025 में अमेरिका की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर लगभग 0.9 प्रतिशत अंक कम हो रही है। टैरिफ नीतियों के कारण एक आम अमेरिकी परिवार को औसतन 3,800 डालर तक का नुकसान उठाना पड़ रहा है। वहीं पेन-वार्टन बजट माडल का विश्लेषण बताता है कि ट्रंप की व्यापारिक नीतियों के कारण अमेरिका की जीडीपी दीर्घकाल में लगभग छह प्रतिशत तक घट सकती है और मजदूरी में लगभग पांच प्रतिशत की गिरावट आ सकती है।

ओईसीडी ने अपनी हालिया रिपोर्ट में कहा है कि यदि टैरिफ और एकतरफा व्यापार नीतियां जारी रहीं तो 2026 तक अमेरिका की जीडीपी वृद्धि दर 1.6 प्रतिशत तक गिर सकती है। यह गिरावट न केवल अमेरिका, बल्कि विश्व अर्थव्यवस्था के लिए भी चिंता का कारण होगी, क्योंकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था वैश्विक व्यापार का मुख्य इंजन है। आम अमेरिकी इस नीतिगत बदलाव की सबसे बड़ी कीमत चुका रहे हैं। उच्च मूल्य, घटती आय और रोजगार के अवसरों में कमी ने अमेरिकी सपने की धारणा को कमजोर किया है।

ट्रंप की मनमानी नीतियों का अमेरिका में विरोध भी शुरू हो चुका है। एक हालिया सर्वेक्षण में लगभग 55 प्रतिशत अमेरिकी नागरिकों ने कहा कि ट्रंप अब एक खतरनाक तानाशाह की तरह व्यवहार कर रहे हैं। वह अपने विरोधियों को निशाना बनाने के लिए सरकारी संस्थाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। यही कारण है कि उनके नेतृत्व में अमेरिका का लोकतांत्रिक ढांचा पहले की अपेक्षा अधिक विभाजित हो गया है। 'हैंड्स आफ' और 'नो किंग' जैसे आंदोलनों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अमेरिकी जनता अब अधिक हस्तक्षेप और केंद्रीकृत शक्ति के विरोध में एकजुट हो रही है।

डगमगाती अमेरिकी अर्थव्यवस्था के संदर्भ में ट्रंप की राष्ट्रवादी नीतियां और अधिक चुनौतीपूर्ण साबित हो रही हैं। 'अमेरिका प्रथम' के उनके नारे ने जहां कुछ समय के लिए घरेलू उद्योगों को सहारा दिया, वहीं वैश्विक व्यापारिक साझेदारियों से दूरी ने अमेरिकी बाजार पर नकारात्मक प्रभाव डाला है। अंतरराष्ट्रीय निवेश घटा है.

जब हम ध्यानाभ्यास करते हैं, तो हम अधिक व्यावहारिक निर्णय लेने के काबिल बन जाते हैं क्योंकि हम जीवन को एक उच्चतर दृष्टिकोण से देखने लगते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

योजनाबद्ध तरीके से हमले की थी तैयारी

हाल ही में दिल्ली में लाल किला के पास हुए बड़े धमाके और उसमें कई लोगों की मौत के सदमे से लोग निकले भी नहीं थे कि जम्मू-कश्मीर में शुक्रवार की रात अचानक हुए विस्फोट में नौ लोगों की जान चली गई। गौरतलब है कि जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े एक आतंकी तंत्र के खुलासे के बाद कुछ लोगों की गिरफ्तारी के साथ-साथ भारी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ भी बरामद किए गए थे। उन्हीं को जम्मू-कश्मीर के नौगाम स्थित एक थाने में ले जाया गया था, ताकि विस्फोटकों का गहन परीक्षण कराया जा सके।

इतना संवेदनशील विस्फोटक किसी तरह नौगाम थाने तक तो पहुंच गया, लेकिन उसके बाद शायद जरूरी सावधानी सुनिश्चित नहीं की जा सकी। यह त्रासद विडंबना रही कि थाना परिसर में ही विस्फोटकों की जांच के क्रम में एक बड़ा धमाका हो गया, जिसमें नौ लोगों की जान चली गई और बत्तीस लोग बुरी तरह घायल हो गए। धमाके के असर का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि एक ओर परिसर में थाने को बड़ी क्षति पहुंची, वहीं आसपास के घरों को भी भारी नुकसान हुआ।

नौगाम के थाना परिसर में हुए विस्फोट के असर को देखते हुए शुरूआत में इसके कोई आतंकी हमला होने की आशंका जताई गई, लेकिन बाद

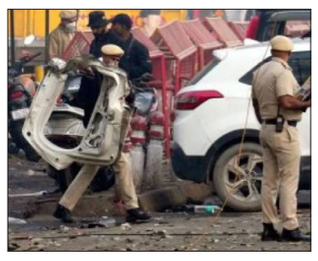

में जम्मू-कश्मीर पुलिस और फिर गृह मंत्रालय की ओर से भी स्पष्ट किया गया कि यह कोई आतंकी हमले जैसी घटना नहीं थी और महज एक हादसा था। खबरों के मुताबिक, जब्त विस्फोटकों को फोरेंसिक जांच के लिए उसमें से नमूना निकालने की कोशिश तथा अन्य प्रक्रिया चल रही थी कि धोखे से उसमें विस्फोट हो गया।

अगर इस विस्फोट का आतंकी हमले से कोई ताल्लुक नहीं था, तो यह एक राहत की बात हो सकती है, लेकिन यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि इतनी बड़ी तादाद में जो विस्फोटक पदार्थ और रसायनों का जखीरा जमा किया गया था, उन्हें एक आतंकी तंत्र के खुलासे के दौरान ही जब्त किया गया था। थाना परिसर में गलती से हुए धमाके में जितने बड़े पैमाने पर क्षति हुई, लोग हताहत हुए, उसे देखते हुए इसका सिर्फ अंदाजा ही लगाया जा सकता है कि अगर योजनाबद्ध तरीके से आतंकियों ने इन विस्फोटकों के सहारे दिल्ली या अन्य किसी जगह पर वारदात को अंजाम दिया होता, तो जानमाल के नुकसान का दायरा कितना बड़ा हो सकता था। मामूली असावधानी का नतीजा क्या हो सकता है, यह सामने है।

संभव है कि यह घटना सिर्फ किसी चूक या फिर अचानक हुए हादसे का नतीजा हो। इसके बावजूद इस बात की गहन जांच कराए जाने की जरूरत है कि किन परिस्थितियों में विस्फोटक पदार्थ वहां ले जाए गए और उनका नमूना निकालने की प्रक्रिया में क्या किसी तरह की लापरवाही बरती गई। जो लोग इस समूची प्रक्रिया में शामिल थे, क्या उन्हें विस्फोटकों और खतरनाक रसायनों की जांच के लिहाज से विशेषज्ञता हासिल थी? आतंकी संगठनों और उनकी योजनाओं के तहत होने वाले हमलों का खमियाजा पहले ही एक बड़ी चुनौती बने हुए हैं।

जम्मू-कश्मीर में आतंक का माहौल बनाने के बाद अब उनके पांव देश के दूसरे हिस्सों में भी फैलते देखे जा रहे हैं। फरीदाबाद में हुई गिरफ्तारी और दिल्ली के लालकिले के पास हुए विस्फोट को उसी की कड़ी के तौर पर देखा जा सकता है। ऐसे में आतंकियों के किसी तंत्र के खुलासे और उनसे बरामद हर सामग्री को लेकर अत्यधिक सजगता और सावधानी बरतने की जरूरत है।

दुर्लभ प्रथा : खौलते दूध से करते हैं स्नान

जरा हट के

हिंदू बलरामपुर के विजयनगर गांव में पारंपरिक रूप से कराह पूजा का आयोजन, मंत्र विद्या की शक्ति से अग्नि प्रज्ज्वलित कर खौलते दूध से किया स्नान, हजारों लोग हुए शामिल

विजयनगर गांव में बांकी नदी के तट पर यादव समाज के लोगों ने पारंपरिक कराह पूजा का आयोजन किया. पुजारी ने बताया कि मंत्र विद्या की शक्ति से अग्नि प्रज्ज्वलित की गई और उसी अग्नि से सैकड़ों लीटर दूध खौलाया गया. इसके बाद श्रद्धालुओं ने खौलते दूध से स्नान किया, जिसे देखकर लोग आश्चर्यचकित रह गए. पूरे विधि-विधान के साथ कराह पूजन संपन्न हुआ.

द्वापर युग से चली आ रही कराह पूजा की परंपरा — पुजारी गोविंद भगत ने बताया कि कराह पूजा की शुरुआत भगवान श्रीकृष्ण ने द्वापर युग में की थी। गोवर्धन पूजा के नाम से जानी जाने वाली उसी परंपरा

को आज भी यादव वंश के लोग निभा रहे हैं।

कराह पूजा (गोवर्धन पूजा) को देखने के लिए आसपास के दर्जनों गांवों के साथ ही रामानुजगंज, बलरामपुर, राजपुर, वाड्रफनगर, शंकरगढ़, कुसमी सहित पड़ोसी राज्य झारखंड और उत्तर प्रदेश से भी हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे.

उत्तर प्रदेश के काशी से हर साल कराह पूजा संपन्न कराने पहुंचने वाले पुजारी गोविंद भगत यादव ने बताया कि कराह पूजन की परंपरा पुरातन काल से चली आ रही है. यह यादव वंश का वंशज पूजन है. इस पूजा से जगत का कल्याण होता है, पशु-पक्षी और समस्त जीव-जंतुओं को शांति एवं प्राणियों को सुख-समृद्धि प्राप्त होती है. साथ ही, ग्रह बाधा से ग्रस्त लोगों की परेशानियां भी दूर होती हैं.

छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के विजयनगर गांव में पारंपरिक रूप से कराह पूजा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और जय यादव जय माधव का नारा भी लगा.

खाना-खजाना

दही के शोले

दही के शोले मूल रूप से ब्रेड स्लाइस के अंदर हंग कर्ड और सब्जियों की स्टफिंग भरकर बनाए जाते हैं। इसकी खासियत यह है कि इसमें इस्तेमाल होने वाला दही एकदम गाढ़ा होता है, जिससे स्टफिंग गीली नहीं होती। इसका नाम 'शोले' इसलिए पड़ा क्योंकि तेल में जाते ही यह कबाब एकदम फूल जाते हैं, जैसे कोई शोला हो।

सामग्री

इसे बनाने के लिए आपको बहुत कम चीजों की जरूरत होगी। सबसे जरूरी है हंग कर्ड। इसके लिए ताजे दही को एक मलमल के कपड़े में बांधकर 4 से 5 घंटे के लिए टांग दें ताकि उसका सारा पानी निकल जाए।

इसके अलावा, आपको चाहिए- ब्रेड स्लाइस, बारीक कटी प्याज, शिमला मिर्च, गाजर, हरी मिर्च, अदरक, धनिया पत्ती, नमक, काली मिर्च और भुना हुआ जीरा पाउडर। आप इसमें पनीर भी मिला सकते हैं। सभी सामग्री को आप

लोगों की संख्या के हिसाब से तय कर सकते हैं।

बनाने की विधि

सबसे पहले, एक बाउल में हंग कर्ड लें। इसमें सभी बारीक कटी सब्जियां, मसाले और नमक डालकर अच्छे से मिलाएं। आपकी स्टफिंग तैयार है। अब, ब्रेड स्लाइस के किनारों को सावधानी से काट लें। ब्रेड को बेलन से हल्का सा चपटा कर लें ताकि वह आसानी से रोल हो सके। अब ब्रेड के किनारे पर थोड़ा पानी लगाकर उसे गीला करें। ब्रेड के बीच में दो चम्मच स्टफिंग रखें। ब्रेड को हल्के हाथों से रोल करें और दोनों सिरों को दबाकर अच्छे से सील कर दें ताकि तेल में फ्राई करते समय स्टफिंग बाहर न निकले।

पारंपरिक रूप से, दही के शोले को गरम तेल में गोल्डन ब्राउन होने तक डीप फ्राई किया जाता है। तेल मीडियम गरम होना चाहिए। इन्हें तेल में डालते ही तुरंत न पलटे, थोड़ा पकने दें। अगर आप सेहत को लेकर थोड़ा परहेज करते हैं, तो इन्हें एयर फ्रायर में भी बना सकते हैं। एयर फ्रायर को 180°C पर प्री-हीट करें और शोले को हल्का सा तेल लगाकर 8-10 मिनट के लिए बेक करें। इनका क्रिस्प उतना ही शानदार आएगा।

सेहत की गारंटी है जीरा

इंडियन किचन में कई ऐसे मसाले हैं, जो सिर्फ खाने का स्वाद नहीं बढ़ाते, बल्कि सेहत के लिए किसी खजाने से कम नहीं हैं। इन्हीं मसालों में एक है– जीरा। जी हां, यह छोटा-सा बीज सदियों से हमारी दादी-नानी के घरेलू नुस्खों का अहम हिस्सा रहा है। अगर आप इसके फायदों को जान लेंगे, तो इसे अपनी डाइट में शामिल किए बिना नहीं रह पाएंगे।

■ क्यों फायदेमंद है जीरा?

पाचन तंत्र का सच्चा दोस्त

जीरा मुख्य रूप से आपके पाचन तंत्र के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। अगर आपको अपच, गैस या पेट फूलने जैसी समस्याएं हैं, तो जीरा आपके लिए रामबाण है। यह पाचन एंजाइम्स को एक्टिव करता है, जिससे भोजन को पचाना आसान हो जाता है। खाने के बाद एक चुटकी भुना हुआ जीरा चबाना या जीरा पानी पीना तुरंत राहत दे सकता है।

वजन घटाने में मददगार

अगर आप वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं, तो जीरा को अपनी डाइट में ज़रूर शामिल करें। जीरा शरीर के मेटाबॉलिज्म को तेज करने में मदद करता है। रोज सुबह खाली पेट जीरा पानी पीने से शरीर की चर्बी तेजी से कम होती है। यह न सिर्फ आपको लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है, बल्कि टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में भी मदद करता है।

आयरन का खजाना

जीरा आयरन का एक बेहतरीन सोर्स है, जो हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। आयरन की कमी से अक्सर थकान और कमजोरी महसूस होती है, जिसे एनीमिया कहते हैं। खासकर महिलाओं के लिए, जो अक्सर आयरन की कमी से जूझती हैं, जीरा का नियमित सेवन खून की कमी को पूरा करने और शरीर में ऊर्जा बनाए रखने में बहुत फायदेमंद है।

अच्छी नींद का उपाय

कई शोधों में यह पाया गया है कि जीरा अनिद्रा या नींद न आने की समस्या को दूर करने में भी सहायक है। इसमें कुछ ऐसे ऑयल और कंपाउंड्स पाए जाते हैं जो मन को शांत करते हैं और तनाव को कम करते हैं। अगर आप रात को सोने से पहले एक गिलास गुनगुने पानी में जीरे का पाउडर मिलाकर पीते हैं, तो आपको गहरी और अच्छी नींद आ सकती है।

त्वचा को बनाए चमकदार

जीरा के अंदर विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं, जो आपकी त्वचा के लिए चमत्कार कर सकते हैं। यह त्वचा को फ्री-रेडिकल्स से बचाता है और त्वचा को चमकदार और स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण मुंहासों और त्वचा की जलन को भी कम करते हैं।

कैसे करें इस्तेमाल?

जीरे का इस्तेमाल करने के कई आसान तरीके हैं:

जीरा पानी : एक चम्मच जीरा रात भर पानी में भिगो दें और सुबह उबालकर पी लें।

भुना हुआ जीरा : इसे भूनकर पाउडर बना लें और दही या छाछ में मिलाकर खाएं।

तड़का : दाल और सब्जियों में तड़का लगाने के लिए इसका रोजाना इस्तेमाल करें।

जीरा सिर्फ एक मसाला नहीं है, बल्कि एक प्राकृतिक औषधि है। इस छोटे से 'सीक्रेट' को अपनी रसोई और अपने जीवन का हिस्सा बनाकर आप सेहत की गारंटी पा सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष : मेहनत का फल मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय बढ़ेगा। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय सताएगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। किसी मनोरंजक यात्रा की योजना बनेगी। बुरे लोगों से दूर रहें।

वृषभ : दूर से सुखद सूचना मिल सकती है। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बड़ा काम करने का मन बनेगा। परिवार का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। बुद्धि का प्रयोग करें। लाभ बढ़ेगा। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा।

मिथुन : नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। नए मित्र बनेंगे। नया उपक्रम प्रारंभ करने की योजना बन सकती है। व्यवसाय लाभदायक रहेगा। शुभ समय।

कर्क : पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय भावना में बहकर न करें। बुद्धि का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। आय बनी रहेगी। थकान महसूस होगी।

सिंह : परिवार तथा मित्रों के साथ कोई मनोरंजक यात्रा का आयोजन हो सकता है। रुका हुआ पैसा मिलने का योग है। मित्रों के सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे। नया कार्य प्रारंभ करने की योजना बनेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रशंसा प्राप्त होगी। समय अनुकूल है। आलस्य त्यागकर प्रयास करें।

कन्या : कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। योजना फलीभूत होगी। कारोबार में वृद्धि पर विचार हो सकता है। नौकरी में अधिकारीगण प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। व्यापार में मनोनुकूल लाभ होगा। उत्साह व प्रसन्नता रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभ समय।

तुला : किसी धार्मिक स्थल की यात्रा की आयोजना हो सकती है। सत्संग का लाभ मिलेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन सहायता प्राप्त होगी। धन प्राप्ति में बाधाएं दूर होंगी। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा व्यय हो सकता है।

वृश्चिक : चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। लापरवाही न करें। किसी व्यक्ति से व्यर्थ विवाद हो सकता है। मानसिक क्लेश होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। आय में कमी हो सकती है। व्यापार ठीक चलेगा। लोगों से अधिक अपेक्षा न करें।

धनु : जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे तथा समस्या बढ़ सकती है। विरोध होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। बाहर जाने की योजना बनेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग कार्य में आसानी देगा। घर-बाहर सुख-शांति बने रहेंगे। नौकरी में चैन रहेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

मकर : भूमि, भवन, दुकान, शोरूम व फैक्टरी इत्यादि की खरीद-फरोख्त हो सकती है। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। कुसंगति से बचें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कुंभ : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। कोई मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार में प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। शरीर कष्ट से बचें।

मीन : दूसरे से अधिक अपेक्षा करेंगे। जल्दबाजी से काम में बाधा उत्पन्न होगी। दौड़धूप अधिक रहेगी। बुरी सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। बनते कामों में देरी होगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

बिना टेंशन वॉशिंग मशीन में धोने के लिए डालें कंबल- स्वेटर

लिक्विड इस्तेमाल करें

ऊनी कपड़ों के लिए लिक्विड डिटर्जेंट सबसे अच्छा विकल्प है. इससे रेशे टूटते नहीं और कपड़े मुलायम बने रहते हैं. साधारण पाउडर डिटर्जेंट ऊनी कपड़ों को नुकसान पहुंचा सकता है. बेहतर होगा कि मार्केट में उपलब्ध स्पेशल वूलन डिटर्जेंट का ही इस्तेमाल करें. इससे स्वेटर और कंबल खराब होने का खतरा कम हो जाता है.

गर्म पानी में न धोएं

ऊनी कपड़ों को धोते समय बहुत गरम पानी बिल्कुल न डालें. ज्यादा गर्म पानी से कपड़ों की चमक कम हो जाती है और फैब्रिक भी कमजोर होने लगता है. यह ऊनी रेशों को इतना ढीला कर देता है कि स्वेटर या कंबल का शेप बिगड़ सकता है. इसलिए हल्के गुनगुने या ठंडे पानी में ही धुलाई करें.

मशीन वॉशिंग मोड चुनें

वाशिंग मशीन में गर्म कपड़ों को हमेशा वूलन क्लॉथ मोड या जेंटल मोड पर ही धोएं.अगर आप किसी और मोड पर कपड़े धोती हैं, तो कपड़े फैल सकते हैं या सिकुड़ सकते हैं जिससे उनका लुक खराब हो जाता है. इसलिए मशीन सेट करते समय इस बात पर जरूर ध्यान दें.

मशीन में कपड़े सही तरह रखें

स्वेटर और कंबल वजन में भारी होते हैं. इसलिए वाशिंग मशीन में इन्हें डालते समय देखें कि मशीन पर ज्यादा भार न पड़े. कपड़ों को सही तरीके से फैलाकर रखें, ताकि पानी और डिटर्जेंट हर हिस्से तक पहुंच सके. इससे धुलाई भी अच्छी होगी और कपड़े अपने रीयल शेप में बने रहेंगे.

ग्लिसरीन या कोल्ड क्रीम

सर्दियों में रूखी त्वचा के लिए किसका इस्तेमाल है ज्यादा बहतर?

सर्दियों की ठंडी हवाएं हमारी त्वचा की नमी चुरा लेती हैं, जिससे त्वचा रूखी, बेजान और फटी-फटी सी महसूस होने लगती है। ऐसे में हर घर में दो चीजें जरूर पाई जाती हैं- ग्लिसरीन और कोल्ड क्रीम... लेकिन सवाल यह है कि रूखी त्वचा के लिए इन दोनों में से 'बेस्ट फ्रेंड' कौन है, जो सबसे ज्यादा फायदा पहुंचाए? आइए आसान भाषा में समझते हैं इन दोनों के काम करने का तरीका।

ग्लिसरीन

ग्लिसरीन को विज्ञान की भाषा में 'ह्यूमेक्टेंट' कहा जाता है। इसका मुख्य काम हवा और त्वचा की अंदरूनी परतों से नमी को खींचकर त्वचा की ऊपरी परत में लॉक करना है।

यह त्वचा को गहराई से हाइड्रेट करता है, जिससे रूखापन और खिंचाव तुरंत खत्म हो जाता है। यह हल्का होता है और ऑयली या मुहांसे वाली त्वचा के लिए भी अच्छा माना जाता है, क्योंकि यह पोर्स को बंद नहीं करता। ध्यान रहे, इसे सीधा और गाढ़ा लगाने पर यह थोड़ा चिपचिपा महसूस हो सकता है। इसलिए, इसे अक्सर गुलाब जल के साथ मिलाकर लगाने की सलाह दी जाती है।

कोल्ड क्रीम

कोल्ड क्रीम अक्सर ऑयल और पानी के मिश्रण से बनती है। इसका मुख्य काम त्वचा के ऊपर एक सुरक्षा कवच बनाना है।

यह कवच हवा को त्वचा की नमी चुराने से रोकता है और त्वचा की प्राकृतिक नमी को 'लॉक' कर देता है। यह तुरंत रूखेपन और खुरदुरेपन को दूर करती है और जरूरत से ज्यादा रूखी या फटी हुई त्वचा को तुरंत आराम पहुंचाती है। यह बढ़ती उम्र वाली त्वचा के लिए भी बेहतरीन है, क्योंकि यह त्वचा में तेल की कमी को पूरा करती है। बता दें, कोल्ड क्रीम बहुत गाढ़ी होती है, इसलिए ऑयली स्किन वाले लोगों को यह चिपचिपी या हैवी महसूस हो सकती है और इससे मुहांसे भी निकल सकते हैं।

आपके लिए क्या है बेहतर यह आपकी स्किन टाइप पर निर्भर करता है:

स्किन टाइप	बेस्ट ऑप्शन	क्यों?
ऑयली या एक्ने-प्रोन स्किन	ग्लिसरीन	यह लाइट होता है, नमी देता है और पोर्स को बंद नहीं करता। इसे गुलाब जल के साथ लगाएं।
नॉर्मल टू ड्राई स्किन	कोल्ड क्रीम	यह नमी को लॉक करती है और दिन भर त्वचा को मुलायम रखती है।
ज्यादा रूखी त्वचा	कोल्ड क्रीम या ग्लिसरीन + गुलाब जल	कोल्ड क्रीम एक मोटा सुरक्षा कवच देगी, जबकि ग्लिसरीन नमी को गहराई तक पहुंचाएगी।

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बिना सर्च वारंट घर में घुसकर फंस गई पुलिस, ताले में हुए बंद; बुलानी पड़ी फोर्स

गोरखपुर. उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में बिना सर्च वारंट के एक घर में घुसकर पुलिस खुद ही फंस गई। मामला जिले के गोला बाजार क्षेत्र का है। यहां के बरहजपार माफी गांव में रविवार शाम उस समय हड़कंप मच गया जब बिना सर्च वारंट और बिना महिला पुलिस के दो पुलिसकर्मी वादी के साथ एक प्रतिवादी के घर में घुस गए। अंदर केवल महिलाएं और बच्चे मौजूद थे। इसी बीच किसी ने घर का शटर बंद कर ताला जड़ दिया। इससे दोनों पुलिसकर्मी अंदर ही फंस गए। सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए। किसी ने 112 नंबर पर कॉल कर दिया। इसके बाद थाना प्रभारी भारी पुलिस फोर्स के साथ पहुंचे। लोगों को डांट-फटकार लगाते हुए थाना प्रभारी ने किसी तरह शटर का ताला खुलवाया और दोनों पुलिसकर्मियों को बाहर निकाला।

जेल ले जाते समय सिपाही को चकमा देकर हथकड़ी समेत भागा बंदी, पुलिस की बड़ी चूक

कन्नौज. यूपी के कन्नौज में एक बार फिर पुलिस की लापरवाही सामने आई है। जहां रविवार रात बंदी को जिला जेल में दाखिल करने जा रहे सिपाही और होमगार्ड को चकमा देकर हथकड़ी समेत फरार हो गया। बंदी के फरार होने की खबर से महकमें में हड़कंप मच गया। पुलिस रात भर उसकी तलाश करती रही पर उसका कोई पता नहीं चल सका। वहीं, 15 के भीतर पुलिस की ये दूसरी बड़ी चूक है। पुलिस अभिरक्षा में बंदी मोहित कुमार को जिला जेल अनौगी ले जाया जा रहा था। 15 साल की लड़की को भगाने के आरोप में पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। कोर्ट में पेश करने के बाद उसे जेल भेज दिया गया था। रात करीब साढ़े 9 बजे जिला जेल से कुछ ही दूरी पर पुलिसकर्मियों की बाइक पंचर हो गई। होमगार्ड बंदी को पकड़े खड़ा रहा। जबकि सिपाही पंचर बाइक धकेलकर आगे बढ़ा। इसी दौरान मोहित ने बातचीत का सहारा लेकर होमगार्ड का ध्यान भटकाया और अपने हाथों की रस्सी ढीली कर ली। जैसे ही वे जेल गेट के करीब पहुंचे। वैसे ही मोहित ने होमगार्ड को जोर से धक्का दिया और अंधेरे का फायदा उठाते हुए जंगल की ओर भाग निकला।

बरेली कॉलेज में सुबह-सुबह बेल्ट से लटकती मिली लड़के की लाश, मचा हड़कंप

बरेली. उत्तर प्रदेश के बरेली के बरेली कॉलेज कैंपस में सोमवार की सुबह हड़कंप मच गया। कॉलेज की निर्माणाधीन बिल्डिंग में 26 साल के एक लड़के की लाश मिली। लाश बेल्ट के सहारे लोहे की बीम से लटक रही थी। कॉलेज में लाश देखकर लोग दंग रह गए। वहां भीड़ जुट गई। कॉलेज प्रशासन की ओर से मौके पर मौजूद रहे चीफ प्रॉक्टर प्रो.आलोक खरे ने फोन कर तत्काल पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुला लिया। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल की बारीकी से जांच कर सबूत जुटाए। बेल्ट से लटकते मिले लड़के की शिनाख्त कर ली गई है। इस लड़के का नाम बिहारी था। उसकी उम्र करीब 26 साल थी। बिहारी के भाई रामकिशोर ने बरेली कॉलेज से मिली लाश की शिनाख्त करने के बाद पुलिस को उसके बारे में जानकारी दी। रामकिशोर बरेली के कालीबाड़ी के रहने वाले हैं।

बिहार में 20 नवंबर को नई सरकार का शपथ ग्रहण

- 19 को भंग होगी विधानसभा
- राज्यपाल से मिले मुख्यमंत्री
- आज JDU-BJP विधायक दल की बैठक

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव में NDA की ऐतिहासिक जीत के बाद नई सरकार बनाने की कवायद शुरू हो गई है। नीतीश कुमार ने सोमवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात कर पत्र सौंपा है। जिसमें 19 नवंबर को विधानसभा भंग किए जाने की जानकारी दी गई। साथ ही NDA की प्रचंड जीत को लेकर नीतीश कुमार को बधाई दी गई है। इससे पहले आज आखिरी कैबिनेट मीटिंग हुई, जिसमें मौजूदा विधानसभा को 19 नवंबर को भंग भंग करने का प्रस्ताव पास हुआ। मंगलवार को JDU विधायक दल की बैठक भी बुलाई गई है। बीजेपी विधायक दल की भी बैठक होगी। इसके बाद कल होनेवाली NDA की बैठक में विधायक दल का नेता चुना जाएगा, उसके बाद नई सरकार बनाने का दावा पेश किया जाएगा।

20 नवंबर को गांधी मैदान में नीतीश कुमार 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने बताया कि नई कैबिनेट में 36 मंत्री होंगे, जिसमें 16 भाजपा से, 15 जदयू से, 3 लोजपा (आर) से, हम और रालोमो से 1-1 मंत्री होंगे। गांधी मैदान में इसकी तैयारी चल रही है। शपथ ग्रहण में PM नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे।

22 नवंबर से पहले नई सरकार का गठन

मौजूदा सरकार का कार्यकाल 22 नवंबर को खत्म हो रहा है, इसलिए उससे पहले हर हाल में नई सरकार का गठन करना जरूरी होगा। इसी बीच चुनाव आयोग ने सभी विजयी उम्मीदवारों की सूची राजभवन को सौंप दी है और राज्य में आचार संहिता भी खत्म हो चुकी है, जिससे सरकार गठन की प्रक्रिया अब तेज होने वाली है।

दिल्ली ब्लास्ट में जूता बम इस्तेमाल होने का शक

- सेंसेटिव TATP विस्फोटक के ट्रेस मिले
- NIA ने आतंकी डॉ. उमर को सुसाइड बॉम्बर माना

नई दिल्ली. दिल्ली में लाल किले के पास आतंकी धमाके में सुरक्षा एजेंसियों को शू बम (जूता बम) के इस्तेमाल का शक है। सूत्रों के मुताबिक जांच एजेंसियों को विस्फोट वाली कार से एक जूता मिला है। इसकी जांच में अमोनियम नाइट्रेट और TATP के ट्रेस मिले हैं।

एजेंसियां इसे शुरुआती सुराग मान रही हैं और इस एंगल से भी जांच कर रही हैं। TATP एक बेहद खतरनाक और सेंसेटिव विस्फोटक माना जाता है, जिसे आतंकी अक्सर इस्तेमाल करते हैं। यह मामूली झटके, रगड़ या थोड़ी सी गर्मी से भी फट सकता है। इसी वजह से इसे आतंकी दुनिया में 'Mother of Satan' यानी 'शैतान की मां' कहा जाता है।

10 नवंबर को दिल्ली धमाके में 13 लोगों की मौत हो गई थी और 24 से ज्यादा लोग जख्मी हैं। इधर, NIA ने रविवार को बताया कि कार चला रहा डा. उमर उल नबी एक आत्मघाती हमलावर (सुसाइड बॉम्बर) था। यह पहली बार है, जब किसी सुरक्षा एजेंसी ने ऑफिशियल तौर पर इसकी पुष्टि की है। इससे यह तय हो गया है कि ब्लास्ट सुसाइड अटैक ही था।

फिर जेल जाएंगे आजम खान और अब्दुल्ला

लखनऊ. सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान को बड़ा झटका लगा है। सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के दो पैनकार्ड मामले में अदालत ने सोमवार की दोपहर बाद अपना फैसला सुना दिया। एमपी-एमलए मजिस्ट्रेट कोर्ट ने आजम और अब्दुल्ला दोनों को दोषी करार देते हुए सात साल कैद की सजा सुनाई है। साथ ही 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट का फैसला आते ही आजम-अब्दुल्ला को न्यायिक हिरासत में ले लिया गया। मालूम हो कि भाजपा नेता एवं वर्तमान में शहर विधायक आकाश सक्सेना ने 2019 में सिविल लाइंस थाने में अब्दुल्ला आजम के खिलाफ केस दर्ज कराया था। जिसमें आरोप लगाया था कि अब्दुल्ला आजम ने दो अलग-अलग जन्म प्रमाण पत्रों से दो पैनकार्ड बनवाए हैं। आरोप है कि सपा नेता आजम खान के इशारे पर दोनों ही पैनकार्ड का अब्दुल्ला आजम ने समय समय पर इस्तेमाल भी किया है।

मक्का से मदीना जा रहे 45 भारतीयों की मौत

- उमरा के लिए जा रही बस डीजल टैंकर से टकराकर जली
- सिर्फ ड्राइवर जिंदा बचा

मक्का. सऊदी अरब में सोमवार देर रात एक सड़क हादसे में 45 भारतीयों की मौत हो गई। मक्का से मदीना जाते समय इनकी बस डीजल टैंकर से टकरा गई और इसमें आग लग गई। मृतकों में 18 महिलाएं, 17 पुरुष और 10 बच्चे शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, हादसे में सिर्फ बस का ड्राइवर ही जिंदा बचा।

हैदराबाद पुलिस के मुताबिक, 9 नवंबर को 54 लोग हैदराबाद से सऊदी गए थे। वे 23 नवंबर को वापस आने वाले थे। इनमें से 4 लोग रविवार को कार से अलग से मदीना गए थे। वहीं 4 लोग मक्का में रुक गए थे। दुर्घटना वाली बस में 46 लोग सवार थे।

मृतकों में ज्यादातर हैदराबाद के बताए जा रहे हैं। हादसा मदीना से लगभग 25 किलोमीटर दूर मुहरास के पास भारतीय समयानुसार रात लगभग 1:30 बजे हुआ। उस समय कई यात्री सो रहे थे। उन्हें बचने का कोई मौका नहीं मिला।

तेलंगाना सरकार ने कहा है कि वह रियाद में भारतीय दूतावास के संपर्क में है। राज्य सरकार की ओर से जारी बयान में बताया गया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दिल्ली में मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे दूतावास से नजदीकी तालमेल बनाकर पीड़ितों की पहचान और अन्य औपचारिकताओं में मदद करें।

भारतीय दूतावास ने हेल्पलाइन नंबर जारी किया

जेद्दा में भारतीय दूतावास ने हेल्पलाइन जारी किया है। दूतावास ने कहा, 'सऊदी अरब के मदीना के निकट भारतीय उमरा तीर्थयात्रियों के साथ हुई दुखद बस दुर्घटना को देखते हुए, जेद्दा स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास में 24x7 कंट्रोल रूम बनाया हेल्पलाइन का संपर्क विवरण 8002440003 है।' घटना के बाद तेलंगाना सरकार ने सचिवालय में कंट्रोल रूम बनाया है, ताकि परिजन अपने परिजनों के बारे में जानकारी ले सकें। परिवारजन इन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं: 79979-59754 और 99129-19545।

शेख हसीना को फांसी की सजा

- बांग्लादेश कोर्ट ने तख्तापलट के दौरान लोगों की हत्या का दोषी माना
- 15 महीने से भारत में रह रहीं पूर्व PM

ढाका. बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को फांसी की सजा सुनाई गई है। उन्हें ढाका की इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने मानवता के खिलाफ अपराधों का दोषी ठहराया है। ट्रिब्यूनल ने उन्हें 2024 के छात्र आंदोलन के दौरान हुई हत्याओं का मास्टरमाइंड कहा है। शेख हसीना को दो आरोपों में मौत की सजा सुनाई गई है। उन्हें हत्या के लिए उकसाने और हत्या का आदेश देने में दोषी माना गया है। कोर्ट ने दूसरे आरोपी पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान को 12 लोगों की हत्या का दोषी माना है और इसके लिए फांसी की सजा सुनाई है। वहीं, तीसरे आरोपी पूर्व IGP अब्दुल्ला अल-ममून को 5 साल के जेल की सजा सुनाई है। ममून सरकारी गवाह बन चुके हैं।

कोर्ट ने शेख हसीना और असदुज्जमां कमाल की बांग्लादेश की प्रॉपर्टी को जब्त कर लिया है। शेख हसीना और असदुज्जमां कमला फरार हैं। दोनों अब भारत में रह रहे हैं।

पूर्व बांग्लादेशी IGP ने कोर्ट से माफी मांगी

बांग्लादेश के पूर्व IGP ममून ने कोर्ट से माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि मैंने कोर्ट का पूरा साथ दिया। ममून ने माना कि वह हिंसा में शामिल थे। उन्होंने बताया कि 4 लोगों ने मिलकर साजिश की। वे सभी PM के आवास पर रोज मीटिंग करते थे।

ममून ने कहा कि उन्होंने 36 साल की सर्विस में कोई जुर्म नहीं किया। इस घटना ने उसकी छवि खराब की है। उनकी दलील सुनने के बाद जज ने कहा है कि हम कम सजा देंगे। उन्हें क्या सजा मिलेगी यह बाद में तय होगा।

तीनों आरोपी कहां हैं?

शेख हसीना के अलावा, इस मामले में अन्य दो आरोपी पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान और पूर्व IGP चौधरी अब्दुल्ला अल-ममून हैं। तीनों आरोपियों में से शेख हसीना और असदुज्जमां फरार हैं। दोनों अब भारत में रह रहे हैं। वहीं, तीसरे आरोपी चौधरी अब्दुल्ला अल-ममून सरकारी गवाह बन चुके हैं।

आर्मी चीफ बोले- ऑपरेशन सिंदूर 88 घंटे का ट्रेलर था

- पाकिस्तान फिर मौका देगा तो जवाब और कड़ा होगा

नई दिल्ली. आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सोमवार को ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कहा कि फिल्म तो शुरू भी नहीं हुई थी, बस 88 घंटे का ट्रेलर दिखा था। अगर पाकिस्तान फिर मौका देता है तो हम उन्हें बताने में पीछे नहीं हटेंगे कि जिम्मेदार देश पड़ोसियों से कैसे पेश आते हैं।

आर्मी चीफ दिल्ली में चाणक्य डिफेंस डायलॉग के उद्घाटन कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत प्रगति की बात करता है, इसलिए जो लोग आतंक फैलाते हैं, उन्हें रोकने के लिए सख्त कदम जरूरी हैं।

आर्मी चीफ ने बताया, भारतीय सेना भविष्य को जमीन से जुड़कर देखती है। हम पांच जेनरेशन के वॉरफेयर में लड़ रहे हैं और सेना उसी के अनुसार खुद को बदल रही है। पहले युद्ध में फैसले लेने में दिन लग जाते थे, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। अगर युद्ध 48 घंटे में भी लड़ना पड़े तो देश की पूरी ताकत एक साथ लगानी होगी।

जनरल द्विवेदी ने कहा कि असली ताकत वही होती है जब दुश्मन को यकीन हो कि अगर उसने कोई गलती की तो भारत तुरंत कार्रवाई करेगा। आज भारत की डिफेंस क्षमता इतनी मजबूत हो चुकी है कि सामने वाला देश हमारे इरादों को गंभीरता से लेता है।

दिल्ली ब्लास्ट : i20 कार का मालिक आमिर गिरफ्तार

- डॉ. उमर संग बनाई थी पूरी योजना

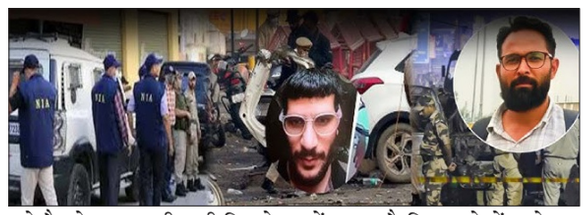

नई दिल्ली. दिल्ली के लाल किला बम धमाके की जांच कर रही एनआईए को बड़ी कामयाबी मिली है। NIA ने इस मामले में पहली गिरफ्तारी करते हुए राष्ट्रीय राजधानी से आमिर राशिद अली नाम के शख्स को दबोचा है। बताया जाता है कि धमाके को अंजाम देने वाली i20 कार इसी आमिर के नाम पर रजिस्टर्ड थी। एनआईए ने दिल्ली पुलिस से मामला अपने हाथ में लेने के बाद बड़े पैमाने पर छानबीन की जिसके बाद उसे यह कामयाबी मिली।

दबोचा गया आमिर राशिद जम्मू-कश्मीर के पंपोर का निवासी है। जांच में पता चला है कि आमिर ने ही हमलावर डॉ. उमर के साथ मिलकर लाल किला पर हुए धमाके की साजिश रची थी। जांच में आया है कि हमले में इस्तेमाल की गई हुंडई i20 कार आमिर राशिद अली के नाम पर रजिस्टर्ड थी। जांच एजेंसी ने बताया है कि आमिर राशिद अली कथित तौर पर उस i20 कार की खरीद में मदद करने के लिए दिल्ली भी आया था।

अपने ही स्पिन ट्रैक में फंस रही टीम?

- भारत घर में 6 में से 4 टेस्ट हारा
- कोलकाता में 60% भारतीय विकेट स्पिनरों ने लिए

भारतीय टीम रविवार को कोलकाता टेस्ट 30 रन से हार गई। टीम 124 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 93 रन पर ढेर हो गई। इसके साथ ही साउथ अफ्रीका ने 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है।

यह 15 साल में पहला मौका है जब दक्षिण अफ्रीका ने भारत को टेस्ट मैच में घर में हराया है। यह भारत की टेस्ट मैचों में करीब एक साल में घरेलू मैदान पर चौथी हार है। इन चारों मैचों में भारत को हराने में स्पिनरों की बड़ी भूमिका रही।

साउथ अफ्रीका से मिली हार के बाद किसी ने कोलकाता की कठिन पिच को जिम्मेदार ठहराया, तो किसी ने भारत की खराब बल्लेबाजी को। लेकिन, बड़ा सवाल यह है कि क्या भारतीय बैटर्स स्पिनर्स के खिलाफ बल्लेबाजी की स्किल खोते जा रहे हैं।

कोच गंभीर बोले: पिच नहीं, बैटिंग खराब

भारतीय कोच गौतम गंभीर ने कहा- 'पिच इतनी भी खराब नहीं थी कि बल्लेबाजी न की जा सके। यह एकदम वैसी पिच थी, जैसी हम चाहते थे। भारतीय बैटर्स ने स्पिनर्स के खिलाफ खराब बल्लेबाजी की। हमारे बैटर्स को मेंटली और स्किल के लिहाज से बेहतर होने की जरूरत है।' गंभीर की बात वाजिब भी है। क्योंकि, भारत ने कोलकाता टेस्ट में 60% विकेट स्पिनर्स के खिलाफ गंवाए हैं। टीम के 20 में से 12 बैटर्स स्पिनर्स की बॉल पर आउट हुए।

क्या हारने की वजह है?

हां, पिछले एक साल के आंकड़े यही कह रहे हैं। पिछले साल में भारत में खेले गए 6 टेस्ट मैचों में इंडियन टीम के 87 विकेट गिरे हैं, इनमें से 60 विकेट स्पिनर्स को मिले हैं। जबकि 27 विकेट तेज गेंदबाजों के हिस्से आए हैं।

तेजस्वी यादव को विधायक दल नेता चुना

- 2 सीट से बची लालू के लाल की नेता विपक्ष की कुर्सी

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद सोमवार को आरजेडी की समीक्षा बैठक हुई। जिसमें तेजस्वी यादव को बिहार विधानसभा में विपक्ष का नेता चुना गया है। इस बैठक में पार्टी अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, सांसद मीसा भारती भी शामिल हुई हैं। उनके अलावा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह, बाहुबली सूरजभान सिंह, भाई वीरेंद्र समेत कई विधायक और नेता शामिल हुए।

आपको बता दें महज 2 सीट से तेजस्वी की नेता विपक्ष की कुर्सी बच गई। 243 सीटों की विधानसभा में मुख्य विपक्षी दल का दर्जा पाने के लिए पार्टी के 10 फीसदी विधायक होना चाहिए, यानी 24 सीटें। अगर आरजेडी को 23 सीटें मिलती तो राजद को मुख्य विपक्षी दल और तेजस्वी को नेता विपक्ष का दर्जा भी नहीं मिलता। महागठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी आरजेडी 25 सीटें जीती है। नेता विपक्ष को कैबिनेट मंत्री के रैंक का दर्जा और सुविधाएं मिलती हैं।

बैठक में शामिल राजद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जगदानंद प्रसाद सिंह ने बताया कि नेता प्रतिपक्ष के रूप में तेजस्वी प्रसाद का चयन किया गया। पार्टी सड़क से लेकर सदन तक गरीबों की आवाज उठाती रहेगी। कुछ विधायकों और हारे हुए उम्मीदवारों ने ईवीएम को हैक करने की बात कही। सभी ने कहा कि महागठबंधन ही हर तरफ दिख रहा था। एनडीए कहीं जमीन पर नहीं दिख रहा था।

इस बैठक में चुनाव में मिली करारी हार की समीक्षा की गई। जिसमें जीते और हारे हुए विधायक शामिल हुए हैं। जिन्होंने अपनी-अपनी राय रखी। चुनाव में महागठबंधन की प्रदर्शन निराशाजनक रहा। कुल 35 सीटें महागठबंधन को मिलीं। जिसमें राजद-25. कांग्रेस-6, सीपीआई (माले-2), आईआईपी-1 और सीपीआई(एम) को एक सीट मिली। महागठबंधन की सहयोगी और डिप्टी सीएम फेस मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी का खाता तक नहीं खुला।

अमेरिका के साथ बड़ी डील, बड़ी मात्रा में LPG आयात करेगा भारत

नई दिल्ली. भारत ने अमेरिका के साथ एक बड़ी और ऐतिहासिक डील की है। इसके मुताबिक भारत की तेल कंपनियां अमेरिका से कम से कम 10 फीसदी एलपीजी का आयात करेंगी। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इस डील के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि एलपीजी के स्रोतों के डायवर्सिफइकेशन के लिए सरकार ने यह बड़ा समझौता किया है। उन्होंने कहा कि इससे सुनिश्चित किया जाएगा कि देश के लोगों को सस्ते गैस के सिलिंडर मिलते रहें। डील के तहत पीएसयू ऑइल कंपनियों को कॉन्ट्रैक ईयर 2026 में अमेरिकी गल्फ कोस्ट से एलपीजी आयात करनी होगी। यह भारतीय बाजार के लिए अमेरिका के साथ पहले एलपीजी का स्टरक्चर्ड कॉन्ट्रैक्ट है।

पुरी ने कहा, Mount Belvieu बेंचमार्क के तहत एलपीजी का आयात किया जाएगा। बीपीसीएल, आईओसी और एचपीसीएल के शीर्ष अधिकारियों की एक टीम अमेरिका भी गई थी और डील से पहले अधिकारियों ने वहां तेल उत्पादन करने वाली कंपनियों से वार्ता की है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में उछाल के बाद भी भारत की कंपनियां लोगों को कम कीमतों में एलपीजी उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की तेल कंपनियां उज्ज्वला स्कीम के तहत केवल 500 और 550 रुपये में सिलिंडर उपलब्ध करवाती हैं जो कि अंतरराष्ट्रीय कीमतों से बहुत कम है।

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई

(सक्षम प्राधिकारी-1)

एच. डि आय. एल. बिल्डींग, 3 रा मजला, अनंत काणेकर मार्ग, वांद्रे (पूर्व), मुंबई-400 051

संकेतस्थळः www.sra.gov.in ईमेलः compauth1@sra.gov.in

क्र.सप्रा-1/टे-1-प्र/कावि-4601/25 दिनांक : 13/11/2025

जाहिर नोटीस

प्रति,
संजय मोहन पाटील, झो.क्र.2053
चैतन्य साई जनता कॉलनी एसआरए सह. गृह.
संस्था (नियो.), जनता कॉलनी, वरळी,
मुंबई-400 030,

विषय : सुनावणीस हजर राहणेबाबत...
संदर्भ : आपले पत्र अर्ज दि. 23/05/2025.

उपरोक्त संदर्भीय अर्जाचे अनुषंगाने मा. सक्षम प्राधिकारी-1 यांचेकडे सुनावणी आयोजीत केली असून त्याचा तपशील खालीलप्रमाणे आहे.

सुनावणीचा वार व दिनांक : मंगळवार, दिनांक 25/11/2025
सुनावणीची वेळ : दुपारी 04:00 वाजता
स्थळ : एचडीआयएल टॉवर, 3 रा मजला, अनंत काणेकर मार्ग, वांद्रे (पूर्व), मुंबई - 400 051

उपरोक्त सुनावणीस आपण संबंधीत कागदपत्रांसह उपस्थित राहून लेखी म्हणणे दाखल करावे, अन्यथा प्रकरणी नियमानुसार पुढील कार्यवाही करण्यात येईल, याची नोंद घ्यावी.

(मा. सक्षम प्राधिकारी यांचे मान्यतेने)

Sd/-
KHANDU CHHABAN PATIL
सहायक महसूल अधिकारी सक्षम प्राधिकारी-1
झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण

प्रतः
1. मुख्य प्रवर्तक, चैतन्य साई जनता कॉलनी एस आर ए सहकारी गृहनिर्माण संस्था (नियो.), भूकर क्रमांक 5 (पै), 16 (पै), 209 (पै), 827 (पै) व 2126, जनता कॉलनी, वरळी, मुंबई-400 030.
विकासक - मे. चिंताहरणी चिंतापुरणी रिअल्टर्स एल. एल. पी., ऑफीस नं. 124, युनिक इंडस्ट्रियल इस्टेट, ट्विन टॉवर मार्ग, बॉम्बे डाईंग कंपाऊंड, प्रभादेवी, मुंबई 400 025.
2/- उपरोक्त दोघांना कळविण्यात येते की, उपरोक्त सुनावणीस आपण उपस्थित राहून आपले लेखी म्हणणे दाखल करावे.
3. अर्जदार संजय मोहन पाटील, झो.क्र. 2053

उक्त नोटीस ही विकासक व सोसायटी यांना Registered Post ने पाठवावी. सदर नोटिस संबंधितांना बजावल्याबाबतचा Tracking Report हा पुढील तारखेस सादर करावा. तसेच सदर नोटीस ही एका दैनिकात प्रसिध्द करावी व प्रसिध्द केल्याची दैनिकाची प्रत सुनावणीला सादर करावी. उक्त नाटीस बजाधणीची प्रक्रिया पूर्ण झालेशिवाय प्रस्तुत प्रकरणात पुढील सुनावणी होणार नाही याची नोंद घ्यावी.

संक्षेप...

महिला चोर से 17.38 लाख का सामान बरामद

ठाणे. जीआरपी के जवानों ने भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेनों में यात्रियों से कीमती सामान चुराने के आरोप में 37 वर्षीय एक महिला को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार महिला के पास से 17.38 लाख रुपये का सामान बरामद किया गया है. जीआरपी के वरिष्ठ निरीक्षक विजय खेड़कर ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी आरती ए दत्ता को कुर्ला और ठाणे में दर्ज चोरी के दो मामलों के सिलसिले में पकड़ा गया.

मुंबई में कुर्ला से घाटकोपर का सफर होगा आसान

LBS मार्ग पर कल्पना टॉकीज से पंखे शाह दरगाह तक बनने जा रहा फ्लाइओवर

मुंबई. एलबीएस रोड पर कुर्ला कल्पना टॉकीज़ से घाटकोपर (पश्चिम) में पंखे शाह दरगाह तक ट्रैफिक जाम से लोगों को राहत मिलेगी। इसके लिए बीएमसी एक फ्लाइओवर का निर्माण करने जा रही है। बीएमसी इस साढ़े चार किलोमीटर लंबे फ्लाइओवर के निर्माण पर 1,635 करोड़ रुपये खर्च करेगी। बीएमसी ने शनिवार को

फ्लाइओवर निर्माण के लिए टेंडर जारी किया। इसके निर्माण के लिए बीएमसी को पिछले दो साल में कई समस्याओं का सामना करना पड़ा। इस वजह से फ्लाइओवर के निर्माण की लागत भी बढ़ गई है। बीएमसी ब्रिज डिपार्टमेंट के एक अधिकारी ने बताया कि यह फ्लाइओवर कुर्ला से घाटकोपर एलबीएस रोड पर वाहन चालकों को ट्रैफिक जाम से राहत देगा।

यह थी रास्ते में अड़चन

कुर्ला में कल्पना टॉकीज़ से घाटकोपर- अंधेरी मार्ग पर काफी ट्रैफिक जाम रहता है। इस समस्या

के समाधान के लिए बीएमसी ने दो वर्ष पहले कुर्ला कल्पना टॉकीज से घाटकोपर (पश्चिम) में पंखे शाह दरगाह तक साढ़े चार किलोमीटर लंबा फ्लाइओवर बनाने का निर्णय लिया था। ब्रिज से सटे एक किलोमीटर तक नौसेना की जमीन है, इसलिए नौसेना ने इस जमीन के नजदीक पुल के निर्माण पर आपत्ति जताई थी।

नौसेना नहीं दे रहा था NOC

यहां फ्लाइओवर का काम करने के लिए नौसेना से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) आवश्यक था। बीएमसी अधिकारी ने बताया कि पिछले दो वर्षों में कई बार एनओसी के लिए पत्र व्यवहार किया गया, लेकिन बीएमसी को कोई जवाब नहीं मिला। इसके कारण बीएमसी ने ब्रिज के आगे के काम के लिए लागत का आकलन और टेंडर जारी करने की सभी प्रक्रियाएं रोक दी थीं। हाल में नौसेना से बीएमसी को अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया, इसलिए बीएमसी ने वीजेटीआई के माध्यम से ब्रिज निर्माण के लिए के सर्वेक्षण कराया।

निवेश के नाम पर 100 करोड़ का घोटाला !

ठाणे. सरकार की तरफ से चलाये जा रहे जागरूकता अभियान के बावजूद लोग लालच मे अपना बड़ा नुकसान कर रहे हैं. इसी तरह ठाणे में निवेश के नाम पर 100 करोड़ का घोटाला सामने आया है. ठाणे की एक कंपनी में निवेश पर ज़्यादा रिटर्न का वादा करके 200 निवेशकों से लगभग 100 करोड़ रुपये की ठगी की गयी है. इस संबंध में नौपाड़ा पुलिस स्टेशन में नौ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. बताया गया कि भांडुप मे रहने वाले व्यक्ति आर्थिक लेन -देन करने वाले एक व्यक्ति से परिचित थे.

महाराष्ट्र में MVA से अलग हुई कांग्रेस

- BMC चुनाव अकेले लड़ने का ऐलान
- बिहार में करारी हार के बाद फैसला
- शरद पवार-उद्धव ठाकरे को झटका

मुंबई. बिहार विधानसभा चुनाव में अप्रत्याशित हार के बाद कांग्रेस के भीतर भी हलचल तेज हो गई है। महाराष्ट्र में निकाय चुनाव होने वाले हैं, और इसी बीच कांग्रेस ने ऐलान किया है कि वह महा विकास अघाड़ी के साथ मिलकर चुनाव नहीं लड़ेगी। कांग्रेस के प्रभारी रमेश चेन्निथला ने इसको लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि बीएमसी चुनाव में मुंबई कांग्रेस अकेले मैदान में उतरेगी और सभी 227 सीटों पर अपने प्रत्याशी खड़े करेगी।

जानकारी के लिए बता दें कि शनिवार को बीएमसी चुनाव को लेकर मुंबई कांग्रेस ने मलाड में 'लक्ष्य 2026' शिविर आयोजित किया था। इस शिविर में कई कांग्रेसी नेता शामिल हुए और विभिन्न मुद्दों पर मंथन किया गया।

शिविर का सबसे बड़ा ऐलान

यही रहा कि कांग्रेस अब 'एकला चलो' की नीति पर चलने वाली है। जानकारों का मानना है कि यह फैसला उद्धव ठाकरे और शरद पवार के लिए बड़ा झटका है, क्योंकि वे बीएमसी चुनाव में महायुति के खिलाफ एक संयुक्त मोर्चा बनाना चाहते थे। उद्धव गुट की प्रवक्ता किशोरी पेडणेकर ने कहा कि कांग्रेस की यह अलग राह बिहार में मिली हार से जुड़ी हुईहै। यह फैसला कितना सही या गलत है, इसका पता आने वाले समय में चलेगा।

शिविर में मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद वर्षा गायकवाड़ ने भी बड़ा संकेत दिया। उन्होंने कहा कि समान विचारधारा वाले छोटे दलों के साथ कांग्रेस बीएमसी चुनाव में मिलकर लड़ सकती है।

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि बिहार में जो भी नतीजे आए, उससे निराश होने की जरूरत नहीं है। बीएमसी चुनाव में पूरी ताकत लगाकर कांग्रेस का झंडा बुलंद करना है।

बिहार चुनाव नतीजों की बात करें तो एनडीए ने बंपर जीत हासिल करते हुए 202 सीटें अपने नाम की हैं। वहीं, तेजस्वी यादव के नेतृत्व में महागठबंधन केवल 35 सीटें जीत पाया। जन सुराज का तो इस चुनाव में खाता तक नहीं खुल पाया।

ठाणे मनपा क्षेत्र के अंतर्गत में रेबीज पल्स टीकाकरण अभियान शुरू

ठाणे. केंद्र सरकार की 'रेबीज मुक्त भारत' नीति के तहत, ठाणे मनपा में साल 2024 से 'रेबीज मुक्त ठाणे' अभियान चलाया जा रहा है।मनपा सीमा में रेबीज पल्स अभियान के साथ-साथ दैनिक टीकाकरण अभियान भी शुरू हो गया है।आयुक्त सौरभ राव ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य ठाणे शहर को 2030 तक रेबीज नियंत्रित क्षेत्र घोषित करना है।ठाणे मनपा ने जनवरी-फरवरी 2024 और 2025 में पल्स टीकाकरण अभियान कार्यक्रम के तहत

जनवरी 2024 में 7,409 आवारा कुत्तों का टीकाकरण किया है। चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रसाद पाटिल ने बताया कि फरवरी 2025 में 11,582 आवारा कुत्तों का टीकाकरण किया गया।इस अभियान में आवारा कुत्तों और बिल्लियों को रेबीज का टीका लगाया जाएगा और आवारा कुत्तों के गले में रेडियम रिफ्लेक्टर कॉलर पहनाए जाएँगे। इस पहल के सफल क्रियान्वयन के लिए, एनिमल फ्रेंड्स सोसाइटी के स्वयंसेवकों और स्थानीय गैर सरकारी संगठनों की मदद और भागीदारी से कार्यक्रम को क्रियान्वित किया जाएगा।

सड़क बाइंडिंग के निर्णय से लोगों में खुशी

- सड़क विस्तारीकरण में जुटी मनपा कर्मियों की फौज

भिवंडी. भिवंडी मनपा प्रशासक,आयुक्त अनमोल सागर द्वारा सड़क विस्तारीकरण शुरू किए जाने के निर्णय से शहरवासियों में खुशी फैली है. अंजूरफाटा से धामनकर नाका, कल्याण रोड तक मनपा कर्मियों की टीम ने एकजुट होकर सड़क विस्तारीकरण का कार्य युद्धस्तर पर शुरू किया है. प्रशासक द्वारा शहर हित में उठाए गए आवश्यक उचित निर्णय से नागरिकों को भिवंडी शहर अतिक्रमण मुक्त और ट्रैफिक समस्या से निराकरण होने की आस दिखाई पड़ने लगी है.

गौरतलब हो कि,भिवंडी मनपा प्रशासक,आयुक्त अनमोल सागर ने सड़क किनारे हुए तमाम अतिक्रमण सहित डीपी अनुसार सड़क बाइंडिंग के निर्देश मनपा अधिकारियों को दिए हैं.मनपा उपायुक्त विक्रम दराडे द्वारा तोड़क कार्यवाही की खातिर 2 टीमें बनाकर मनपा आपत्ति व्यवस्थापन प्रमुख साकिब खरबे, मनपा वार्ड अधिकारी गिरीश गोष्ठेकर की टीम को तोड़ कार्यवाही की जिम्मेदारी सौंपी गई है. सोमवार सुबह से अंजूर फाटा से धामनकर नाका, कल्याण नाका पेट्रोल पंप तक सड़क के एक तरफ रोड बाइंडिंग करने के लिए मनपा कर्मियों की टीम ने एकजुट होकर अतिक्रमण तोड़ कार्यवाही शुरू कर जेसीबी मशीन की मदद से कई निर्माणों को ढहा दिया.

सड़क के दोनों किनारों पर हुए तमाम अतिक्रमण सहित सड़क बाइंडिंग के लिए डीपी के तहत निर्धारित आवश्यक जगह को तोड़कर गिराए जाने के कड़क निर्देश प्रशासक,आयुक्त अनमोल सागर द्वारा दिए जाने से शहरवासियों में खुशी फैली है.

9 वाहनों में लगा दी आग, आरोपी गिरफ्तार

ठाणे. शहर में कोपरी इलाके मेन सोमवार तड़के एक खुले मैदान में आग लगने से नौ दोपहिया वाहन जलकर खाक हो गए. पुलिस जांच मे सामने आया है कि एक युवक को उसके दोस्त ने अपनी दोपहिया चलाने को नहीं दी जिससे नाराज उसने सभी गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया. कोपरी पुलिस ने इस मामले में रविंद्र परिहार (30) को गिरफ्तार किया है.

ठाणे मनपा आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि कोपरी अग्निशमन केंद्र से आग लगने की सूचना तड़के चार बजकर 14 मिनट पर मिली थी. कोपरी में गांधी नगर स्थित के एल कॉलोनी के एक खुले मैदान में खड़ी नौ मोटरसाइकिल और स्कूटर आग की लपटों में घिरी पाई गईं.

महिलाओं के विकास के बगैर देश का संपूर्ण विकास संभव नहीं -कल्पना शर्मा

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भिवंडी शहर जिला महिला मोर्चाध्यक्ष कल्पना शर्मा ने अपनी नियुक्ति पर मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस , प्रदेश अध्यक्ष रवीन्द्र चव्हाण, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष चित्राताई वाघ,पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल, भिवंडी पश्चिम भाजपा विधायक महेश चौघुले, भिवंडी शहर जिलाध्यक्ष रवि सावंत का आभार माना है.उन्होंने भाजपा शीर्ष नेताओं के मार्गदर्शन में भिवंडी भाजपा महिला मोर्चा जिला पदाधिकारियों के नियुक्ति की घोषणा की है.बीजेपी।शीर्ष नेताओं ने शहर

महिला मोर्चा की नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई एवं भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी.

भिवंडी शहर जिला महिला मोर्चा कार्यकारिणी में अध्यक्ष-कल्पना सुनील शर्मा, महासचिव मानसी राजे, नेहा नरेश साहू, रमा महेश अंकम, भावना भोईर उपाध्यक्ष लता राजू गाजेंगी, प्रीति विवेक जगताप, मीरा रवि अडसुल, वनश्री पवन जोग, सचिव पद पर दर्शना किशोर खत्री, शिल्पा जितेंद्र मेस्त्री, अनिता राजकुमार सोनी, जिग्ता सुरेश जैन, रंजना गुप्ता, अनिता दासरी सहित शीला हनुमंत बेडगे को कोषाध्यक्षा पद पर नियुक्ति की गई है. भिवंडी शहर भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष कल्पना सुनील शर्मा ने कहा कि देश की आधी आबादी महिलाओं की है.महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही है. अभी भी बहुत प्रतिभावान महिलाएं कई क्षेत्र में आगे आने की कोशिश कर रही है, जिन्हें मौका देने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने कई कार्यक्रम चलाए हैं. भिवंडी में महिलाओं के अधिकार और उनके सशक्तिकरण के क्षेत्र में बड़ा कार्य करने की योजना को लेकर आगे भूमिका तय की जाएगी. ताकि पार्टी के कार्यक्रम और योजनाएं घर-घर तक पहुंचाई जा सके. महिलाओं के विकास के लिए दिन रात मेहनत कर अपनी टीम और नेतृत्व के साथ मिलकर पार्टी को मजबूत करने का कार्य करूंगी.

20 नवंबर तक मौसम को लेकर बड़ा अलर्ट जारी

मुंबई. भारत मौसम विभाग ने 20 नवंबर तक मौसम को लेकर बड़ा अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के मुताबिक, आने वाले दिनों में उत्तर, मध्य और पूर्वी भारत में ठंड और शीतलहर का असर और तेज हो सकता है, जबकि दक्षिण भारत में भारी बारिश का दौर देखने को मिलेगा। आईएमडी के अनुसार, उत्तरी भारत के मैदानी इलाकों में तापमान लगातार गिर रहा है और कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री कम दर्ज किया गया है। 17 और 18 नवंबर को मध्य भारत और पड़ोसी राज्यों में शीतलहर और तेज हो सकती है। 17 से 19 नवंबर के बीच पूर्वी राजस्थान, छत्तीसगढ़ और झारखंड के कुछ हिस्सों में भी शीतलहर की संभावना जताई गई है।

'नेपोटिज्म से डेब्यू मिलता है सफलता नहीं'

- नेपोटिज्म पर बोलीं करीना कपूर-
- फैमिली का नाम नहीं, ऑडियंस की एक्सेप्टेन्स जरूरी है

करीना कपूर खान अक्सर अलग-अलग मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखती हैं। करीना जो कि खुद एक स्टार किड हैं लेकिन उन्होंने बॉलीवुड नेपोटिज्म के बारे में खुलकर अपनी राय साझा की है।

दरअसल, एक्ट्रेस हाल ही में बरखा दत्त के शो 'वी द वीमेन' के एक डिस्कशन में शामिल हुईं। यहां पर उन्होंने अपने प्रिविलेज पोजीशन पर बात की और बताया कि इंडस्ट्री में सर्वाइव करने के लिए कुछ चीजें जरूरी होती हैं।

नेपोटिज्म के मुद्दे को एड्रेस करते हुए एक्ट्रेस ने कहा- 'नेपोटिज्म आपको डेब्यू दिलाने में मदद कर सकता है, लेकिन ये लंबे करियर की गारंटी नहीं देता है। ऑडियंस की एक्सेप्टेन्स आपका करियर तय करता है, ना कि आपका फैमिली नेम।'

वहीं, राजकपूर के पोता और डाइनिंग विद द कपूर्स के क्रिएटर अदार जैन ने इसी मुद्दे पर ईटाइम्स से बात करते हुए कहा- 'लोग नेपोटिज्म के बारे में बात करते हैं, लेकिन मुझे इससे कोई फायदा नहीं हुआ है। हां, मैं राज कपूर का पोता हूं और करीना व रणबीर कपूर का रिश्तेदार हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं हर साल 50 फिल्मों में काम करूंगा या लगातार ब्रांड पार्टनरशिप और एड हासिल करूंगा। दुर्भाग्य से, इस सेंस में, मैं नेपोटिज्म का प्रोडक्ट नहीं रहा हूं।'

करीना की वर्कफ्रंट करें तो उन्हें आखिरी बार साल 2024 में रिलीज हुई फिल्म सिंघम अगेन में देखा गया था। पिछले साल उनकी द बकिंघम मर्डर्स और क्रू जैसी दो और फिल्में भी रिलीज हुई थीं।

जल्द ही वो नेटफ्लिक्स की डॉक्यूमेंट्री 'डाइनिंग विथ द कपूर्स' में दिखाई देंगी। यह डॉक्यूमेंट्री कपूर खानदान की फैमिली बॉन्डिंग और उनके खाने की विरासत को दिखाएगी।

ठाणे क्षेत्रीय मनोरोग अस्पताल के ध्वस्तीकरण कार्य में

प्राचीन 'संत-छात्र-नर्तक' पत्थर की मूर्तियां मिलीं

ठाणे. इतिहास के पदचिह्न आज भी पुराने ठाणे के अस्तित्व की गवाही देते हैं। शहर जहाँ तेज़ी से स्मार्ट सिटी की ओर बढ़ रहा है, वहीं कई धरोहरें समय के साथ लुप्त होती जा रही हैं। ऐसे में, क्षेत्रीय मनोरोग अस्पताल के ध्वस्तीकरण कार्य में पगड़ीधारी एक संत की नक्काशीदार छवि वाला एक प्राचीन पत्थर मिलने से ठाणेवासियों में ऐतिहासिक जिज्ञासा बढ़ गई है। एक नए आधुनिक मनोरोग अस्पताल के निर्माण कार्य में कई पुरानी इमारतों को हटाया जा रहा है। इसी क्रम में,

कई वर्षों से बंद पड़े एक बंगले को ध्वस्त करने का कार्य चल रहा है। ध्वस्तीकरण कार्य के दौरान, यह सुंदर नक्काशीदार पत्थर सामने आया और कर्मचारियों से लेकर अधिकारियों तक सभी इसे देखते रह गए।लगभग दो से तीन फीट ऊँचा और डेढ़ से डेढ़ फीट चौड़ा यह पत्थर अपनी अत्यंत जटिल नक्काशी के साथ स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। तीनों प्रतिमाएँ, पगड़ी पहने संत, उनके बगल में खड़ा शिष्य और बगल में खड़ी नर्तकी, अत्यंत प्राचीन कला शैली में बनी हैं। प्रारंभिक अनुमानों के अनुसार, यह पत्थर बहुत पुराना होने की संभावना है। अस्पताल प्रशासन के पास इस क्षेत्र के इतिहास से संबंधित कोई अभिलेख नहीं है, इसलिए इस पत्थर की सटीक उत्पत्ति, समय और सांस्कृतिक संदर्भ जानने के लिए एक अध्ययन की ज़ोरदार माँग है।ठाणेकर के अनुसार, आज के विकास के युग में ऐसी मूल्यवान कलाकृतियों का मिलना एक दुर्लभ अवसर है, और इस धरोहर को तुरंत संरक्षित करना आवश्यक है।

अस्पताल क्षेत्र में पहले भी ब्रिटिशकालीन मुखौटों के पत्थर देखे गए हैं। इस क्षेत्र में अभी भी कई ऐतिहासिक अवशेष छिपे होने की संभावना प्रबल हो गई है। शहर के विकास और इतिहास की विरासत को मिलाकर पुरानी वस्तुओं को संरक्षित करने की माँग ज़ोर पकड़ रही है।

चुनाव प्रचार हेतु प्रयुक्त वस्तुओं एवं सेवाओं की

दरें निर्धारित करने हेतु समीक्षा बैठक संपन्न

ठाणे. जिला परिषद/पंचायत समिति, नगर परिषद/नगर पंचायत आम चुनाव 2025 में चुनाव प्रचार एवं प्रचार हेतु प्रयुक्त वस्तुओं एवं सेवाओं की दरें निर्धारित करने हेतु जिला कलेक्टर कार्यालय के समिति कक्ष में जिला कलेक्टर डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल की अध्यक्षता में हाल ही में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उप जिला कलेक्टर (सामान्य प्रशासन) रूपाली भालके, मुख्य वित्त एवं लेखा अधिकारी वैजनाथ बुरुडकर, तहसीलदार सचिन चौधरी, खाद्य एवं औषधि प्रशासन के सहायक आयुक्त नितिन अहेर, सहायक श्रम आयुक्त ठाणे चेतन जगताप, उप अभियंता (विद्युत) पी.एस. शिवदास, सहायक अभियंता (विद्युत) एन.एच. पगार, उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रोहित काटकर, लेखा अधिकारी अश्लेषा जाधव, योगेश कुमावत, सहायक लेखा अधिकारी दिलीप विसावले, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस बैठक में ज़िला कलेक्टर डॉ. श्रीकृष्ण पंचाल ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील की कि अगर उनके पास इस दर सूची के संबंध में कोई सुझाव हों, तो वे ज़रूर बताएँ। इस संबंध में सहायक श्रम आयुक्त चेतन जगताप ने चुनाव कार्य हेतु उपलब्ध कराए जाने वाले श्रमबल की दर के बारे में बताते हुए कहा कि यह पुरानी दर है और चूँकि नई दरें जारी हो चुकी हैं, इसलिए नई दरें ही ली जानी चाहिए। इसी प्रकार, ढोल और ताशा टीमों के लिए ली जाने वाली दरों के संबंध में भी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने पुनर्विचार की अपील की। ज़िला कलेक्टर डॉ. श्रीकृष्ण पंचाल ने कहा कि अंत में, सभी सुझावों को समझने के बाद, चुनाव व्यय दर सूची पर पुनर्विचार करके सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा।

SST महाविद्यालय की 'पाकिटमार रंगमंडळ' एकांकी का प्रभावी प्रदर्शन

मुंबई. सकाळ मीडिया समूह द्वारा आयोजित और नाट्यकर्मियों के लिए अत्यंत प्रतिष्ठित मानी जाने वाली 'सकाळ करंडक' प्रतियोगिता राज्य के छह विभागों में आयोजित की जाती है। इस प्रतियोगिता की मुंबई विभागीय अंतिम फेरी माटुंगा स्थित यशवंतराव चव्हाण नाट्यगृह में संपन्न हुई। अंतिम दौर के लिए चयनित नौ एकांकी प्रस्तुतियों में से एसएसटी महाविद्यालय की 'पाकिटमार रंगमंडळ' एकांकी ने विशेष छाप छोड़ते हुए दर्शकों की भरपूर प्रशंसा प्राप्त की।

इस एकांकी का लेखन, निर्देशन, अभिनय, प्रकाश व्यवस्था और नेपथ्य की सर्व जिम्मेदारियाँ महाविद्यालय की संजीवनी सांस्कृतिक समिति के विद्यार्थियों ने सफलतापूर्वक निभाईं। उत्कृष्ट लेखन, प्रभावी संवाद प्रस्तुति और सशक्त अभिनय के कारण इस प्रस्तुति ने दर्शकों को हँसी और तालियों से झूमने पर मजबूर कर दिया।

'पाकिटमार रंगमंडळ' एकांकी ने इससे पहले भी INT और IPTA जैसी प्रतिष्ठित नाट्य प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए अपनी खास पहचान बनाई है। महाविद्यालय के ड्रामानॉमिक्स नाट्य विभाग के कलाकार पहले भी अभिनय, लेखन और अन्य गटों में कई पुरस्कार जीत चुके हैं।

इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह में सुप्रसिद्ध अभिनेता संजय नार्वेकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। नाट्य और फिल्म जगत के दिग्गज कलाकारों की उपस्थिति में प्रतियोगिता का समापन उत्साहपूर्वक हुआ। एसएसटी महाविद्यालय के विद्यार्थियों की प्रस्तुति को सर्वत्र सराहा गया।

नाबालिग ने बुजुर्ग दम्पति को कार से मारी टक्कर

मुंबई. एक दुखद घटना में, एक 16 वर्षीय लड़के ने इको कार से एक बुजुर्ग दंपति को टक्कर मार दी, जिससे एक की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया।

यह घटना 15 नवंबर को धारावी के ओएनजीसी इलाके में संत रोहिदास मार्ग स्थित एक शराब की दुकान के पास हुई। दोनों को पास के अस्पताल ले जाने के बाद, 56 वर्षीय सुरेखा कदम नामक पत्नी को मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया, जबकि उनके पति सत्यवान को गंभीर चोटें आई हैं और वे अभी अस्पताल में भर्ती हैं।एक रिपोर्ट के अनुसार, चूँकि लड़का नाबालिग है, इसलिए लड़के, उसके पिता और इको कार के चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099